अहमदाबाद से प्रकाशित पाक्षिक R.N.I. No. 54975 /1994
Published on 15th & 30th of Every Month
Permited to post on 3rd & 17th every Month at A'bad PSO under postal Reg. No.
GAMC No. 1488/2017 - 2019 - Valid 2017 up to 31-12-2019

Happy INDEPENDENCE Day

Website - http://www.sindhibandhu.com

सिन्धी बन्धु

गुजरात से सर्वप्रथम प्रकाशित हिन्दी पाक्षिक पत्रिका

We are available at

E-mail: sindhibandhu@yahoo.in

E-mail: sindhibandhu@gmail.com

अधिष्ठापक तंत्री - हरिश भागवाणी

वर्ष *25 अंक 06 * दिनांक 15-08-2018 * संपादक: रेशमा भागवाणी * सहसंपादक : निर्मल भागवाणी * पृष्ठ : 4 * किंमत-1.00 * फोन-22822205 मो.:9429518141

मालिक - मुद्रक -प्रकाशक-संपादक : रेशमा भागवाणी ने लता ग्राफिक्स-२०, सर्जन बंग्लोझ, पार्श्वनाथ टाउनशीप, केनाल के पास, कृष्णनगर, अहमदाबाद से प्रिन्टींग कर के २०, सर्जन बंग्लोझ, पार्श्वनाथ टाउनशीप, केनाल के पास, कृष्णनगर, अहमदाबाद-३८२३४६ से प्रकाशित किया

मैं यह साफ कर दूं कि लिंचिंग अपराध है, भले ही उसका मकसद कुछ भी हो - नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि देश में पिछले एक साल के दौरान एक करोड़ से ज्यादा रोजगार पैदा हुए हैं। लोगों को नौकरियां नहीं मिलने संबंधी विपक्ष का दुष्प्रचार अब बंद होना चाहिए। प्रधानमंत्री ने यह बात न्यूज एजेंसी एएनआई को दिए इंटरव्यू में कही। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी समेत विपक्ष के कई नेताओं के आरोपों पर जवाब दिए। एक अन्य अंग्रेजी वेबसाइट को दिए साक्षात्कार में उन्होंने साफ कहा कि लिंचिंग अपराध है, भले ही उसका मकसद कुछ भी हो।

सवाल: एनआरसी के मुद्दे पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने देश में गृहयुद्ध और खून-खराबे की बात कही है?

मोदी: जिनका खुद से भरोसा उठ चुका है, जिन्हें जनसमर्थन खोने का डर है और जिनकी हमारे संस्थानों में कोई आस्था नहीं, वही लोग गृहयुद्ध, खून-खराबा और देश के टुकड़े-टुकड़े जैसे शब्द इस्तेमाल कर सकते हैं। ऐसे लोग नि:संदेह देश की नब्ज से कटे हुए हैं। मैं आश्वस्त करता हूं कि भारत के किसी भी नागरिक को देश नहीं छोड़ना पड़ेगा। एनआरसी में तय प्रक्रिया के अनुसार सभी को पर्याप्त मौके दिए जाएंगे।

सवाल: आप बीते इंटरव्यू में कहते रहे हैं कि नौकरियों की संख्या का आकलन करने की तरीका पुराना है और वास्तविक स्थिति मौजूदा डेटा के विपरीत है। आपकी राय में भारत की मौजूदा स्थिति में रोजगार की स्थिति क्या है और उसके मौकों में आप इजाफा कैसे करेंगे?

मोदी: लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव के दौरान बहस में इस पर विस्तार से बता चुका हूं। संक्षेप में कहें तो जब अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है और भारत दुनिया की तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में शुमार है तो नौकरियां क्यों नहीं बढ़ेंगी? जब सड़क बनाने, रेल की पटरियां बिछाने और बिजली उत्पादन में निवेश सर्वोच्च स्तर पर है तो नई नौकरियां कैसे नहीं आएंगी? इसी तरह व्यावसायिक और यात्री वाहनों की बिक्री उल्लेखनीय वृद्धि हुई है तो इसका मतलब ये नहीं है कि जॉब बढ़ रहे हैं? जब विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) सबसे ज्यादा है तो कैसे कहा जा सकता है कि नई नौकरियां नहीं आ रहीं। 2014 में मोबाइल मैन्यूफेक्चरिंग की केवल दो कंपनियां थीं जो अब बढ़कर 120 हो गई हैं। क्या इससे नौकरियां नहीं आ रहीं? आज भारत स्टार्ट-अप का हब बन चुका है। क्या इससे नौकरियां नहीं आ रहीं? पर्यटन भी जॉब पैदा करता है। पिछले साल भारत में विदेशी पर्यटकों की संख्या में 14% का इजाफा हुआ। घरेलू पर्यटकों की संख्या में भी बढ़ोतरी हुई है। क्या इससे लोगों को नौकरियां नहीं मिलीं? मैं पहले ही कह चुका हूं कि पहली बार व्यवसाय शुरू कर रहे लोगों को 3.5 करोड़ रुपए से ज्यादा का लोन दिया गया। क्या हर लोन रोजगार के नए मौके नहीं लाता? पिछले साल ही एक करोड़ से ज्यादा नौकरियां आईं।

सवाल: क्या एनडीए के छोटे सहयोगी भाजपा में भरोसा खोते जा रहे हैं?

मोदी: इसका जवाब पिछले दिनों की दो घटनाओं से मिलेगा। पहला लोकसभा में पेश अविश्वास प्रस्ताव और दूसरा राज्यसभा में उपसभापति चुनाव। इनके परिणामों से साफ है कि कौन-सा गठबंधन अटूट है और कौनसा बिखर रहा है। हमें तो उन दलों ने भी समर्थन दिया, जो हमारे सहयोगी नहीं हैं। एनडीए में नए सहयोगियों का स्वागत है। विपक्ष का महागठबंधन विकास नहीं, बल्कि वंशवाद से जुड़ा है। इसे लेकर सिर्फ एक ही सवाल है कि यह चुनाव के बाद बिखरेगा या उससे पहले?

सवाल: अगर ऐसा है तो जम्मू-कश्मीर में पीडीपी का साथ क्यों छोड़ा?

मोदी: मुफ्ती साहब के निधन के बाद लोगों की आकांक्षाएं पूरी करने के रास्ते में काफी बाधाएं आ रही थीं। यही वजह थी कि कोई आक्षेप लगाए बिना हमने सत्ता से बाहर होने का फैसला कर लिया।

सवाल: क्या सरकार जाति आधारित आरक्षण व्यवस्था खत्म करने पर विचार कर रही है?

मोदी: आरक्षण व्यवस्था खत्म नहीं होगी। इसे लेकर कोई संदेह नहीं होना चाहिए।

सूर्य के सबसे करीब जाने वाला पार्कर यान लॉन्च

नासा ने रविवार को सूर्य के पास जाने वाला पार्कर यान लॉन्च किया। यान की रफ्तार 190 किमी प्रति सेकंड है। वह 85 दिन बाद 5 नवंबर को सूर्य की कक्षा में पहुंचेगा। सूर्य की पृथ्वी से दूरी करीब 15 करोड़ किमी है। यान को सूर्य से 61 लाख किमी का फासले पर स्थापित किया जाएगा। यान को कार्बन फाइबर प्लेट्स से बनाया गया है ताकि वह 1371 डिग्री सेल्सियस का तापमान सह सके। अगले 7 साल तक ये सूर्य के कोरोना के 24 चक्कर लगाएगा। यह अब तक का सूर्य के सबसे पास पहुंचने वाला यान होगा। इससे पहले सूर्य के सबसे करीब से 1976 में हिलियोस-2 नाम का यान गुजरा था। हालांकि, वो भी सूर्य से करीब 4.3 करोड़ किमी की दूरी से निकला था। हिलियोस के मुकाबले पार्कर सूर्य से 7 गुना ज्यादा करीब रहेगा। शनिवार को हीलियम अलार्म बजने की वजह से लॉन्चिंग टाली गई थी। यान को डेल्टा-4 रॉकेट से केप केनवेरल स्टेशन से भेजा गया। इसका नाम अमेरिकी वैज्ञानिक यूजीन पार्कर के नाम पर रखा गया है। इन्होंने 1958 में पहली बार सौर हवाओं के बारे में बताया था।

नासा का ये स्पेसक्राफ्ट सूर्य तक करीब 7 लाख किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से पहुंचेगा। पृथ्वी पर इस रफ्तार से सिर्फ 7 सेकंड में दिल्ली से मुंबई तक की दूरी तय की जा सकती है। नासा इस मिशन में 1.5 अरब डॉलर (करीब 10 हजार करोड़ रुपए) खर्च कर रहा है।

सूर्य की सतह से कोरोना ज्यादा गर्म क्यों, इससे उठेगा पर्दा : हम आग के पास होते हैं तो गर्मी लगती है। दूर हो जाते हैं तो स्थिति सामान्य हो जाती है, पर सूर्य के साथ ऐसा नहीं है।

मोदी ने कहा- 10 करोड़ गरीब परिवारों के लिए आयुष्मान भारत योजना 25 सितंबर से, बाद में मध्यम वर्ग को भी होगा फायदा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर आयुष्मान भारत-नेशनल हेल्थ प्रोटेक्शन स्कीम (एबी-एनएचपीएस) शुरू करने का ऐलान किया। 25 सितंबर को दीनदयाल उपाध्याय जयंती पर इसे लॉन्च किया जाएगा। इसके तहत करीब 10 करोड़ गरीब परिवारों को 5 लाख रुपए सालाना स्वास्थ्य बीमा दिया जाएगा। बाद में मध्यम वर्ग को भी फायदा मिलेगा। इसके पहले हिस्से को मोदी ने भीमराव आंबेडकर की 127वीं जयंती के मौके पर अप्रैल में छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले से शुरू किया था। इसके तहत उन्होंने पहले हेल्थ और वेलनेस सेंटर का उद्घाटन किया था। मोदी सरकार ने इस महत्वाकांक्षी योजना के लिए 10 हजार करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। इसे दुनिया का सबसे बड़ा सरकारी हेल्थकेयर बीमा कार्यक्रम बताया जा रहा है। इस योजना को मोदी केयर नाम भी दिया जा रहा है।

सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार

सभी देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं

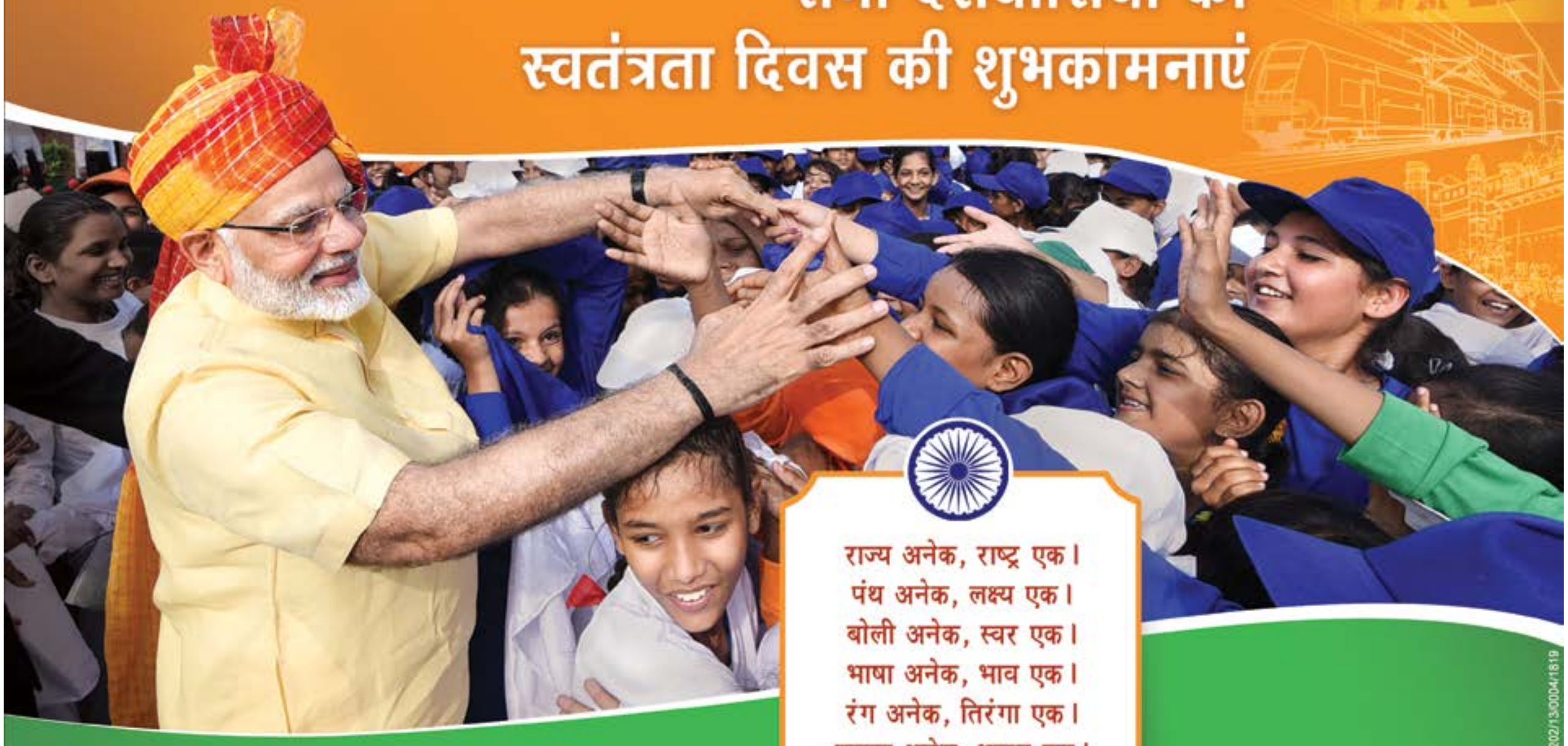

राज्य अनेक, राष्ट्र एक।
पंथ अनेक, लक्ष्य एक।
बोली अनेक, स्वर एक।
भाषा अनेक, भाव एक।
रंग अनेक, तिरंगा एक।
समाज अनेक, भारत एक।
रिवाज अनेक, संस्कार एक।
कार्य अनेक, संकल्प एक।
राह अनेक, मंजिल एक।
चेहरे अनेक, मुस्कान एक।।

"आइए हम सब मिलकर एक नए भारत का निर्माण करें। एक ऐसा भारत जिस पर देश की आज़ादी में अपना योगदान देने वाले हमारे वीर स्वतंत्रता सेनानियों को गर्व महसूस हो।"

- नरेन्द्र मोदी

72 वां स्वतंत्रता दिवस

dpvp 22202/13/0004/1819

वनबन्धु योजना

आदिवासी परंपरा को जीवंत रखने को सरकार कटिबद्धः मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री विजय रूपाणी ने आदिवासी समाज को गुजरात की विरासत करार देते हुए कहा कि गुजरात की गौरवशाली आदिवासी संस्कृति की परंपरा को जीवंत रखने के लिए सरकार कटिबद्ध है। तापी जिले के निझर में गुरुवार को विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने यह बात कही।

श्री रूपाणी ने विश्वास व्यक्त किया कि आदिवासी संस्कृति की विरासत के जतन के लिए राजपीपला में १०० करोड़ रुपए की लागत से अलग म्यूजियम बनाने के निर्णय के साथ ४० एकड़ क्षेत्र में बिरसा मुंडा आदिवासी यूनिवर्सिटी के निर्माण से आदिवासी संस्कृति का जतन-संवर्धन होगा।

आदिवासी समाज की विशाल उपस्थिति में मुख्यमंत्री ने आदिवासियों की कुल देवी याहा मोगी माता की पूजा की और आदिवासी समाज के मसीहा बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि अर्पित की। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री ने ४६ लाख रुपए के विभिन्न योजनागत लाभों का वितरण करने के साथ ही खेलकूद, शिक्षा और पशुपालन सहित विभिन्न क्षेत्र की प्रतिभाओं का सम्मान किया।

आदिवासी समाज के समरस विकास के लिए राज्य सरकार की संकल्पबद्धता व्यक्त करते हुए श्री रूपाणी ने कहा कि आदिवासियों का इतिहास भव्य और गौरवशाली है। गुजरात में उनके प्रति संवेदना है। अंग्रेजों और मुगलों के खिलाफ शहादत देने वाले आदिवासी बंधुओं के दिल में आजादी पूर्व से ही राष्ट्रभक्ति निहित है।

आजादी के आंदोलन में आदिवासी समाज के ऐतिहासिक योगदान का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सोमनाथ मंदिर की रक्षा के लिए वेगड़ा भील की वीरता, महीसागर के मानगढ़ में गोविंद गुरु के नेतृत्व में १६०० आदिवासियों की शहा दत, विजय नगर के शहीद, तात्या भील और रूपा नायक सहित आदिवासी वीरों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। डांग के राजाओं ने अंग्रेजों से लोहा लिया था। ऐसे अनेक आदिवासी क्रांतिवीरों की कुर्बानी इतिहास के पन्नों में समाई है।

उन्होंने कहा कि पूर्व की सरकारों ने इन वीर सपूतों को कभी याद नहीं किया। इस सरकार ने अनोखी परंपरा की शुरुआत करते हुए आदिवासी संस्कृति की विरासत को उजागर करने का अहम निर्णय किया है।

श्री रूपाणी ने कहा कि हमने राज्य के आदिवासी क्षेत्रों में विकास की परंपरा को आगे बढ़ाया है। जंगल में बसे १९६ गांवों को राजस्व गांव घोषित किया है। उन्होंने अभिलाषा व्यक्त की कि अब गुजरात का आदिवासी वैश्विक चुनौतियों का सामना कर वैश्विक फलक पर आगे बढ राष्ट्र के विकास में भागीदार बनेगा।

आदिवासी क्षेत्रों में हुए विकास का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य सहित आधारभूत सुविधाएं अंतिम छोर के नागरिक को मुहैया कराई हैं। वर्ष २००२ में ७ एकलव्य मॉडल स्कूल थे, जो आज बढ़कर ९१ हो गए हैं। इसी तरह, वर्ष २००१ में आदिवासी क्षेत्र में शिक्षा की दर ४७ फीसदी थी, जो बढ़कर २०११ में ६२ फीसदी तक पहुंच गई है। यह सरकार गरीबों, पीड़ितों और आदिवासियों के हित की संवेदनशील सरकार है।

आदिजाति मंत्री गणपतसिंह वसावा ने कहा कि गुजरात के इतिहास में पहली बार अंबाजी से लेकर उमरगाम की पूर्व पट्टी में ९० लाख आदिवासियों के उत्सव में मुख्यमंत्री श्री विजय रूपाणी भागीदार बने हैं। हजारों वर्षों से प्रकृति के पूजकों की संस्कृति, उत्सव और जीवन शैली अलहदा रही है, जिसे उजागर करने का अवसर राज्य सरकार ने उपलब्ध कराया है। देश की रक्षा के लिए आदिवासियों ने अंग्रेजों और मुगलों के खिलाफ शहादत दी है। इस सरकार ने देवमोगरा परिसर का १५ करोड़ रुपए के खर्च से विकास किया है।

पेसा एक्ट का उल्लेख करते हुए श्री वसावा ने कहा कि लघु वनोपज का ४० करोड़ रुपए आदिवासियों को दिया जाएगा। वन अधिकार के तहत ९० हजार से अधिक आदिवासियों को १३ लाख एकड़ जमीन प्रदान की है। फर्जी आदिवासी प्रमाण पत्रों के मामले में कड़ा कानून देश भर में सर्वप्रथम गुजरात ने बनाया है जिसमें तीन वर्ष की सजा का प्रावधान है। यह सरकार आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा कर रही है।

सांसद परभुभाई वसावा ने विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर शुभकामनाएं देते हुए आदिवासियों के गौरवशाली इतिहास का वर्णन किया। उन्होंने आदिवासी क्षेत्र के विकास और केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी भी दी।

कार्यक्रम में पूर्व सांसद बालकृष्ण शुक्ला, पूर्व मंत्री कांतिभाई गामित, पूर्व विधायक परेशभाई वसावा, पूर्व संसदीय सचिव सुभाष पाड़वी, सुमूल डेयरी के वाइस चेयरमैन रितेश वसावा, सेनेट मेम्बर जयरामभाई गामित, कई अधिकारी और पदाधिकारियों सहित आदिवासियों नेताओं सहित विशाल तादाद में आदिवासी समुदाय के लोग उपस्थित थे।

संपादकीय

अगले चार साल में पैदा होंगी 1.31 करोड़ नौकरियां, चेक करें अपना सेक्टर

मोदी सरकार अपने चार वर्ष से अधिक के कार्यकाल में पर्याप्त नौकरियां न पैदा कर पाने को लेकर भले ही राजनीतिक दलों के निशाने पर हो लेकिन आने वाले समय में बड़े पैमाने पर नई नौकरियां पैदा होने जा रही हैं। अगले चार साल में यानी 2018 से 2022 की अवधि में देश के विभिनन सेक्टरों में 1.31 करोड़ नौकरियां पैदा होंगी। सबसे अधिक 18 लाख नौकरियां एजुकेशनल सर्विसेज सेक्टर में पैदा होंगी।

एजुकेशनल सर्विसेज सेक्टर टीमलीज जॉब्स एंड सैलरीज प्रीमर के मुताबिक अगले चार साल यानी 2018-2022 के बीच में एजुकेशनल सर्विसेज सेक्टर बड़े पैमाने पर नौकरियां पैदा करेगा। अगले चार साल में इस सेक्टर में सबसे अधिक 18 लाख नौकरियां पैदा होंगी।

ऑटो एंड एलाइड इंडस्ट्रीज अगले चार में नौकरियां पैदा करने के लिए लिहाज से दूसरा सबसे बड़ा सेक्टर ऑटो एंड एलाइड इंडस्ट्रीज होगा। इस सेक्टर में 2022 तक 15 लाख नौकरियां पैदा होंगी।

पिछले एक दशक के दौरान रिटेल सेक्टर में बड़े पैमाने पर नौकरियां पैदा हुई हैं। आने वाले सालों में भी रिटेल सेक्टर में कारोबारी गतिविधियों का विस्तार होगा। अगले चार साल में रिटेल सेक्टर में 12 लाख नौकरियां पैदा होंगी।

पिछले कुछ सालों में टेलीकॉम सेक्टर में कंसालिडेशन का दौर चल रहा है। लेकिन आने वाले सालो में टेलीकॉम सेक्टर पर्याप्त नौकरियां पैदा करेगा। अगले चार साल में टेलीकॉम सैक्टर में 10 लाख नौकरियां पैदा होंगी।

राज्य सभा के कार्य मैं सिंधी भाषा के अनुवादक के रूप मैं श्री अमूल आहूजा और श्रीमती रीनीजी का चुनाव किया गया

भाषा अनुवादन के लिए श्री अमूल आहूजा "रहमी" और श्रीमती रीनी मीरराज कुमार को चुना गया दोनों ही शायर, लेखक, पत्रकार और भारत सरकार के ऑल इंडिया रेडियो के सिंधी विभाग के सीनियर गज़ेटेड ऑफिसर हैं

एसबीआई लाइफ इन्स्योरन्स द्वारा सिंधी समाज के हितेश जी का किया गया सन्मान

हितेश जी को एसबीआई लाइफ इन्स्योरन्स के तरफ से उनके उम्दा कार्य के लिए मलेशिया मैं सन्मानित किया गया

मालिक - मुद्रक -प्रकाशक-संपादक : हरिश भागवाणी ने लता ग्राफिक्स-२०, सर्जन बंग्लोझ, पार्श्वनाथ टाउनशीप, केनाल के पास, कृष्णनगर, अहमदाबाद से प्रिन्टींग कर के २०, सर्जन बंग्लोझ, पार्श्वनाथ टाउनशीप, केनाल के पास, कृष्णनगर, अहमदाबाद-३८२३४६ से प्रकाशित किया